डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

– वाराणसी –

परास्नातक पाठ्यक्रम

एम.ए. भाग - 1 (प्रथम सत्र)

-: हिन्दी विभाग :-
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

एम. ए. (हिंदी) का नया पाठ्यक्रम
(सत्र 2012–13 से आरंभ)

द्विवर्षीय एम0 ए0 (हिंदी) का शैक्षिक कार्यक्रम चार सेमेस्टर में सम्पन्न होता है। इसमें कुल 16 पाठ्यक्रम हैं, जिनमें 14 बीज पाठ्यक्रम हैं और 2 वैकल्पिक पाठ्यक्रम। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा – 70 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए होंगे और 30 अंक संगोष्ठी/अधिन्यास/मौखिकी (एसाइनमेन्ट) कार्य के लिए।

पाठ्यक्रमों का सत्रानुसार विवरण इस प्रकार है :

एम. ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष

पहला सत्र (पावस सत्र)

- पहला प्रश्नपत्र – आधुनिक काव्य
  दूसरा प्रश्नपत्र – कथेतर गद्य विधाएँ
  तीसरा प्रश्नपत्र – भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
  चौथा प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

दूसरा सत्र (शीतकालीन सत्र)

- पांचवाँ प्रश्नपत्र – छायावादोत्तर काव्य
  छठा प्रश्नपत्र – कथा–साहित्य
  सातवाँ प्रश्नपत्र – आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
  आठवाँ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– मूलभाषा (संस्कृत/प्राकृत/पालि/अपभ्रंश)

अथवा

आधुनिक भारतीय भाषा(बांग्ला/मराठी/कन्नड़/उर्दू/तमिल/तेलुगु)
(कोई एक)

एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष

तीसरा सत्र (पावस सत्र)

- नवाँ प्रश्नपत्र – आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य
  दसवाँ प्रश्नपत्र – सगुण भक्ति काव्य
- ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र – भारतीय काव्यशास्त्र
  बारहवाँ प्रश्नपत्र – आधुनिक भारतीय साहित्य

चौथा सत्र (शीतकालीन सत्र)

तेरहवाँ प्रश्नपत्र – रीतिकाव्य

- चौदहवाँ प्रश्नपत्र – पाश्चात्य साहित्य–सिद्धांत
  पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र – हिंदी समीक्षा
- सोलहवाँ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) – एक साहित्यकार (कबीर/जायसी/सूर/तुलसी/भारतेन्दु हरिश्चन्द्र/प्रेमचंद/प्रसाद/निराला/रामचन्द्र शुक्ल/ हजारीप्रसाद द्विवेदी/अज्ञेय/मुक्तिबोध/यशपाल/ जैनेन्द्र/ अमृतलाल नागर/दिनकर/फणीष्वरनाथ रेणु/ नागार्जुन/भीश्म साहनी/रामविलास षर्मा/नामवर सिंह)

अथवा एक साहित्यिक प्रवृत्ति(संतकाव्य/रीतिकाव्य/छायावाद /स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य/स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा–साहित्य/स्त्री अध्ययन और साहित्य/दलित अध्ययन और साहित्य/सिनेमा और हिंदी साहित्य)

अथवा एक भाषापरक या अन्य विषय (हिंदी भाषा शिक्षण/ अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग/प्रयोजनमूलक हिंदी/बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति/ हिंदी पत्रकारिता : इतिहास, सिद्धांत और प्रयोग/हिंदी नाटक एवं रंगमंच/ हिंदीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिंदी साहित्य/भारतीय साहित्य/लोक साहित्य) का विशेष अध्ययन।

एम0 ए0 (हिंदी) प्रथम वर्ष
पहला प्रश्नपत्र
आधुनिक काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग	10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	ग	5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	ग	1	=	10
						70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा (अंश : सिद्धार्थ, महाभिनिष्क्रमण)
2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
3 निराला : अनामिका (राम की शक्तिपूजा)
4 सुमित्रानंदन पंत : तारापथ (नौका विहार, एक तारा, परिवर्तन, द्रुत झरो)
5 महादेवी वर्मा : दीपशिखा (पंथ होने दो अपरिचित, जो न प्रिय पहचान पाती,
मोम–सा तन घुल
चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)
6 रामधारी सिंह दिनकर :
उर्वशी (सुकन्या–औशनरी संवाद), जनतंत्र का जन्म, समर शेष है, भारत का रेशमी नगर
(संचयिता– संपा0 रामधारी सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी, भारतीय भंडार, इलाहाबाद
2. कामायनी – एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सुमित्रानंदन पंत : डॉ. नगेन्द्र
5. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली,
7. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली, 1973
8. छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

9. दिनकर : विजेन्द्रनारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. मैथिलीशरण गुप्त : रेवतीरमण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
11. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह दिनकर
12. क्रांतिकारी कवि निराला : डा. बच्चन सिंह
13. आत्महंता आस्था : निराला : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. प्रसाद स्मृति वातायन : विद्यानिवास मिश्र
15. अंतरंग संस्मरणों में जयशंकर प्रसाद : सं. पुरुषोत्तम मोदी

दूसरा प्रश्नपत्र
कथेतर गद्य विधाएँ

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1	=	10
				70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 चिंतामणि (भाग–एक) : रामचंद्र शुक्ल (निबंध –भाव या मनोविकार, करुणा, कविता क्या है)
2 अशोक के फूल : हजारीप्रसाद द्विवेदी (निबंध – बसंत आ गया है, अशोक के फूल, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)
3 स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद
4 आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश
5 आगरा बाजार : हबीब तनवीर
6 कुल्ली भाट : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
6 पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7 हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
7 रंग परम्परा – नेमिचन्द्र जैन
8 जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
9 नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
10 हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ0 नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना
11 समकालीन हिन्दी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
12 जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि, रा. ना. वि. नयी दिल्ली
13 जयशंकर प्रसाद : रंगसृष्टि, रा. ना. वि. नयी दिल्ली

14 रंग हबीब – भारतरत्न भार्गव,
15 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल –रामचन्द्र तिवारी
16 निराला– रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17 समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
18 मोहन राकेश – आभा गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
19 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक – रामचन्द्र तिवारी
20 नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी
21 हिन्दी निबंध और निबंधकार– रामचन्द्र तिवारी
22 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
23 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

तीसरा प्रश्नपत्र
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10	=	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	x 1	=	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांष :

1. भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, और विशेषताएं। भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
2. भाषा विज्ञान– परिभाषा एवं स्वरूप, अंग, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ और प्रमुख शाखाएँ।
3. स्वनिम विज्ञान– परिभाषा, स्वन, संस्वन, स्वनिम, स्वन यंत्र, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, स्वनिम विज्ञान एवं स्वनिम के भेद।
4. रूपिम विज्ञान– शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थतत्व, रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण।
5. वाक्य विज्ञान– वाक्य की परिभाषा, वाक्य–रचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
6. अर्थ विज्ञान– शब्द–अर्थ–सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
7. हिन्दी भाषा का विकास– अवधी, ब्रज एवं खड़ीबोली की सामान्य विशेषतायें और उनका साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
8. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

4. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
5. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार – डॉ0 रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना।
9. नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली।
10. समसामयिक हिंदी में रूपस्वानिमिकी – सुधाकर सिंह
11. अर्थविज्ञान एवं व्याकरण दर्षन – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
12. हिन्दी–भाशा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी
13. लिपि, वर्तनी और भाशा – डॉ. बद्रीनाथ कपूर
14. हिन्दी भाशा, व्याकरण और रचना – डॉ. अर्जुन तिवारी
15. हिन्दी भाशा साहित्य और नागरी लिपि – डॉ. कन्हैया सिंह
16. हिन्दी भाशा (भाग–1) – डॉ. कन्हैया सिंह
17. भाशा विज्ञान की रूपरेखा– डॉ0 हरीष षर्मा

चौथा प्रश्नपत्र
हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10 ×	40	
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5 ×	20	
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	× 1 =	10	

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परम्पराएं–सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

2. भक्ति आंदोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेषिक वैषिश्ट्य, भक्ति आंदोलन और हिन्दी क्षेत्र।
3. भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएं। प्रमुख निर्गुण संत, प्रमुख सगुण भक्त, हिन्दी में भक्ति कविता की मुख्य धाराएं, निर्गुण और सगुण भक्ति कविता की सामान्य विशेषताएं।
4. भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएं।
5. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीति कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएं।
6. उर्दू साहित्य का इतिहास (1857 तक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग–एक) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. साहित्य का इतिहास–दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद।
12. प्रो0 एहतेशाम हुसैन – उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास : वशिष्ठ अनूप
14. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयपाल सिंह
15. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शंभुनाथ शुक्ल
16. कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
17. कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
18. कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
19. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
20. हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
21. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
22. बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
23. रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन –डॉ. शिवनारायण सिंह
24. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
25. रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह